“क्या ब्रेस्ट ऑग्मेंटेशन कराने से दाग़ पड़ता है. मैं अविवाहित महिला हूं और इम्प्लांट कराना चाहती हूं, लेकिन दाग़ को लेकर चिंतित हूं.”

मानसी गुप्ता, लखनऊ

ब्रेस्ट ऑग्मेंटेशन से पड़नेवाले दाग़ बहुत छोटे होते हैं. शरीर के अलग-अलग हिस्सों में चीरा लगाकर ब्रेस्ट इम्प्लांट प्लेस किया जा सकता है. सबसे ज़्यादा लोकप्रिय विकल्प ब्रेस्ट के ठीक नीचे की क्रीज़ पर चीरा लगाकर इम्प्लांट प्लेस करना है. इस प्रक्रिया से इम्प्लांट कराने से दाग़ ब्रेस्ट के नीचे छुप जाता है. इसके अलावा आर्मपिट (कांख) में छोटा-सा चीरा लगाकर भी इम्प्लांट प्लेस किया जाता है, जिसका दाग़ बहुत छोटा होता है, लेकिन यह दाग़ स्लीवलेस ड्रेस पहनने पर नज़र आता है. तीसरा विकल्प एरोले (निप्पल के आस-पास की पिग्मेंटेड त्वचा) के निचले हिस्से में चीरा लगाकर इम्प्लांट प्लेस करना है. जहां दाग़ सांवली त्वचा में मिल जाता है. इस विकल्प से सर्जरी कराने की सलाह प्रेग्नेंसी के तुरंत बाद दी जाती है. इन सबके अलावा एक अन्य विकल्प नाभि में चीरा लगाकर इम्प्लांट प्लेस करना है. ऊपर बताए गए सभी विकल्प सुरक्षित हैं और इससे इम्प्लांट कराने से बहुत छोटा दाग़ पड़ता है.

डॉ मोहन थॉमस, एमडी (यूएसए), एफ़एसीएस (यूएसए),
माउंट सिनाय हॉस्पिटल न्यूयॉर्क के विज़िटिंग स्कॉलर व कंसल्टेंट हैं. साथ ही ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल और दि कॉस्मेटिक सर्जरी इंस्टीट्यूट, मुंबई से भी जुड़े हुए हैं

मेरी सास 54 वर्षीय स्वस्थ महिला हैं. पिछले कुछ सालों के भीतर ही उनके चेहरे, ख़ासतौर पर उनकी आंखों के नीचे दाग़ व काले धब्बे पड़ गए हैं. कुछ दाग़ तो उनके गालों तक फैले हुए हैं. क्या उनकी इस समस्या को दूर करने के लिए कोई सर्जिकल या नॉन सर्जिकल विकल्प उपलब्ध है. मैं यह भी जानना चाहती हूं कि ट्रीटमेंट में कितना समय लगता है ? कृपया, मुझे सही सलाह दीजिए ?

स्नेहा चौहाण, पुणे

आपकी सास प्री मेनोपॉज़ल या पोस्ट मेनोपॉज़ल पीरियड से गुजर रही हैं. इस दौरान मेटाबॉलिज़्म की प्रक्रिया धीमी होने और हार्मोनल असंतुलन के कारण शरीर और त्वचा में बहुत-से बदलाव आते हैं. आपके द्वारा दिए गए विवरण से लगता है कि वे मेलाज़्मा से पीड़ित हैं, जो आमतौर पर आपके द्वारा बताए गए जगहों पर ही होती है. यह समस्या हार्मोनल असंतुलन के कारण होती है. इसका कोई स्थायी इलाज नहीं है. हालांकि त्वचा के अनुसार उपयुक्त केमिकल पील्स का इस्तेमाल इसे कुछ हद तक कम किया जा सकता है. आपकी सास की त्वचा की जांच करने के बाद ही इस बात का पता चलाया जा सकता है कि उनके चेहरे पर पड़नेवाले दाग़ स्थायी हैं या अस्थायी. स्थायी दाग़ का कोई इलाज नहीं है, लेकिन अस्थायी दाग़ को ट्रीटमेंट की मदद से कम किया जा सकता है. इसके अलावा वे डर्माकलर फ़ाउंडेशन का इस्तेमाल करके भी वे दाग़ को छुपा सकती हैं.

मैं 25 वर्षीया अविवाहित महिला हूं. मैं इवेंट मैनेजर के पद पर कार्यरत हूं. मेरी लाइफ़स्टाइल बहुत ख़राब है. मुझे देर रात तक काम करना पड़ता है और काम में तनाव भी बहुत अधिक है. जिसके कारण मेरे पेट और जांघ के आस-पास चर्बी जमा हो गई है. मैं अतिरिक्त चर्बी से छुटकारा पाने और अपना आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए लाइपोसक्शन कराने का मन बना रही हूं, लेकिन मैं लाइपोसक्शन के उपलब्ध विकल्पों, जैसे-इंटरनल यूएएल, एक्सटर्नल यूएएल, स्मार्ट लाइपो और पीएएल को लेकर असमंजस में हूं. मुझे समझ में नहीं आ रहा है कि मैं कौन-सा लाइपोसक्शन चुनूं. कृपया बताइए कि इनमें से कौन-सा लाइपोसक्शन सबसे सुरक्षित है ?

जेनी फ़र्नांडिस, डबोलिम

अपनी लाइफ़स्टाइल और लाइपोसक्शन के बारे में अपनी चिंताएं बताने के लिए धन्यवाद. मैं आपको इससे संबंधित कुछ जानकारी देना चाहूंगा, जिससे आपको निर्णय लेने में आसानी होगी. सक्शन असिस्टेड लाइपोसक्शन की सबसे पुराना और जांचा-परखा तरीक़ा है. लाइपोसक्शन की अन्य विधियां इसी का विकसित रूप हैं. अन्य विधियों में ज़्यादा विकसित तकनीक व आधुनिक उपकरणों का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि इनके परिणाम ज़्यादा बेहतर होते हैं. यह बताने की ज़रूरत नहीं है कि अन्य प्रक्रियाओं से जुड़े ख़तरों के बारे में बहुत कम बताया जाता है. मैं इसे एक उदाहरण के माध्यम से समझाना चाहूंगा. गांव में बैठा कलाकार पुराने उपकरणों के माध्यम से एक अच्छी मूर्ति बनाता है और वहीं शहर में औसत दर्जे का काम अत्याधुनिक उपकरणों की सहायता से बहुत कम समय में किया जा सकता है. कहने का अर्थ यह है कि लाइपोसक्शन की प्रणाली पर ध्यान देने के बजाय सर्जन के अनुभव, क्षमता और उसके सेफ़्टी प्रोफ़ाइल पर ध्यान देना ज़्यादा ज़रूरी है और साथ ही यह जानना भी ज़रूरी है कि सर्जन ने कितने लोगों का सफलतापूर्वक लाइपोसक्शन किया है. •

यदि आपके पास कॉस्मेटिक सर्जरी से जुड़ा कोई सवाल है तो डॉ मोहन थॉमस को लिखें. अपना सवाल femina@wwm.co.in पर भेजें.
*इस पृष्ठ पर छपनेवाली चिकित्सीय सूचना के बारे में फ़ेमिना की कोई जवाबदारी नहीं होगी.